RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
# गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक:336
दि. 09.04.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

## 40 दिन बाद थमी अमेरिका-ईरान की जंग, 2 हफ्ते के सीजफायर का ऐलान

सीजफायर के ऐलान के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में जश्न मनाया गया

**तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया।

सीजफायर से पहले ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया।

समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह टोल अमेरिकी युद्धपोतों (नेवी के जहाजों) पर भी लागू होगा या नहीं। अमेरिका की नौसेना का 5वां बेड़ा बहरीन में है, जो फारस की खाड़ी के अंदर आता है। यह बेड़ा बहुत बड़े समुद्री इलाके की जिम्मेदारी संभालता है, जिसमें फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी, लाल सागर और हिंद महासागर के कुछ हिस्से शामिल हैं। सिर्फ होर्मुज ही नहीं, बल्कि यह स्वेज नहर और बाब-अल-मंदेब जैसे अहम समुद्री रास्तों पर भी नजर रखता है।

### ईरान की दो शर्तों से मिडिल ईस्ट में अमेरिका की मौजूदगी पर संकट

ईरान ने अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम के बाद दो ऐसी मांगें रखी हैं, जिनसे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी पर सवाल खड़े हो गए हैं।

- पहली मांग यह है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल (शुल्क) लिया जाए।
- दूसरी मांग यह है कि अमेरिका अपनी सेना इस इलाके से हटा ले।

### ट्रम्प बोले– चीन ने बातचीत के लिए ईरान को तैयार किया

सीजफायर को लेकर ट्रम्प ने कहा है कि चीन ने ईरान को बातचीत के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। एक टेलीफोनिक बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या चीन ने ईरान को सीजफायर के लिए प्रेरित किया। इस पर ट्रम्प ने कहा, 'हां, मैंने सुना है'। हालांकि, इस मुद्दे पर चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से अभी आधिकारिक प्रतिक्रिया आना बाकी है। वहीं, वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंगयू ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से ही चीन सीजफायर और युद्ध खत्म कराने के लिए काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि चीन हर उस प्रयास का स्वागत करता है जो शांति की दिशा में हो और सभी पक्षों को बातचीत के जरिए मतभेद खत्म करने चाहिए।

### भारत ने यूएस-ईरान सीजफायर का स्वागत किया

भारत सरकार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने 8 अप्रैल को जारी बयान में कहा कि यह कदम पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में अहम साबित हो सकता है। बयान में कहा गया कि भारत पहले भी लगातार यह जोर देता रहा है कि तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के जरिए ही इस संघर्ष को खत्म किया जा सकता है।

सरकार ने कहा कि इस जंग से लोगों को भारी पीड़ा झेलनी पड़ी है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क भी प्रभावित हुए हैं। भारत ने उम्मीद जताई कि होर्मुज स्ट्रेट के जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार और समुद्री आवाजाही बिना किसी बाधा के जारी रहेगी।

## भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी ने दाखिल किया नामांकन

असम-केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रचार थमा

**तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/ कोलकाता/चेन्नई,एजेंसी।** पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन भरा। भाजपा ने इसी सीट से सुवेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। वे नेता विपक्ष भी हैं।

सुवेंदु 2 अप्रैल को नामांकन कर चुके हैं। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह उनके साथ मौजूद थे। भवानीपुर के अलावा ममता और सुवेंदु नंदीग्राम से भी आमने-सामने हैं। 2021 में उन्होंने ममता को यहां से हराया था। वहीं, तमिलनाडु के सीएम स्टालिन करूर और इरोड में आज चुनावी सभा करेंगे। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में वोटिंग है। इसलिए मंगलवार शाम 5 बजे तीन राज्यों में चुनाव प्रचार थमा।

**सुवेंदु अधिकारी ने कहा- मतदाता सूची से मेरा न ही ममता बनर्जी का नाम हटा, तो नाम हटा किसका :** पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाबानीपुर और नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने कहा- मतदाता सूची से न तो मेरा नाम हटाया गया है और न ही ममता बनर्जी का, तो किसका नाम हटाया गया है।

### दिलीप घोष बोले– बंगाल में कानून–व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं

भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा– लोग BJP के साथ हैं क्योंकि उन्हें यह एहसास हो गया है कि अगर BJP सत्ता में नहीं आई, तो उन्हें काम के लिए इस जगह से पलायन करना पड़ेगा। यहां कानून–व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। इस बार बंगाल में बदलाव की लहर है। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद जिला पश्चिम बंगाल पर एक कलंक रहा है। सबसे ज़्यादा नकली आधार और वोटर कार्ड मुर्शिदाबाद में ही पाए जाते हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों की वजह से वहां बार–बार देश–विरोधी गतिविधियां होती रहती हैं। मुर्शिदाबाद के हिंदू मालदा की ओर पलायन कर रहे हैं। इन घुसपैठियों को देश से बाहर निकाल देना चाहिए।

## बिष्णुपुर में हिंसा के बाद तनावपूर्ण शांति, कर्फ्यू में ढील नहीं

**इंफाल,एजेंसी।** मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में हिंसा के बाद शांति बरकरार है, लेकिन क्षेत्र में भारी तनाव बना हुआ है। मंगलवार की घटना के बाद से यहां के लोगों में काफी गुस्सा है। दरअसल, मंगलवार को मोइरांग ट्रोंगलाओबी में एक दर्दनाक घटना हुई थी। यहां कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर पर बम फेंका, जिस समय परिवार घर में सो रहा था। इस हमले में एक पांच साल के बच्चे और उसकी छह महीने की बहन की मौत हो गई, जबकि बच्चों की मां गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इस घटना से लोगों में भारी गुस्सा फैल गया। जिसके बाद लगभग 400 लोगों की भीड़ ने सीआरपीएफ के एक कैंप पर हमला कर दिया।भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने गोलियां चलाईं, जिसमें दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सुरक्षा बल उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहे हैं।

**हिंसा की आग आसपास के जिलों तक पहुंची:** हिंसा की आग इंफाल ईस्ट और वेस्ट तक भी पहुंच गई है। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की।

## सरकार बोली: कोर्ट धार्मिक परंपरा को अंधविश्वास नहीं कह सकता

● आप एक्सपर्ट नहीं, यह फैसला विधायिका करेगी ● कोर्ट बोला– हमें रिव्यू का पूरा अधिकार

**नई दिल्ली,एजेंसी।** धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दूसरे दिन की सुनवाई जारी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती।

उन्होंने कहा कि जो चीज नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है, वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज बहुत विविधतापूर्ण है, यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला देना खतरनाक हो सकता है।

### इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा...

मिस्टर मेहता, आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है कि वह यह तय कर सके कि अंधविश्वास क्या है। उसके बाद उस पर कानून बनाना या कार्रवाई करना विधानमंडल (संसद–विधानसभा) का काम हो सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि अंतिम फैसला सिर्फ विधानमंडल ही करेगा। धर्म के मामलों में तर्क उसी तरह लागू नहीं किया जा सकता।

## खड़गे ने गुजरातियों पर दिए बयान पर खेद जताया: केरलम में गुजरातियों को अनपढ़ कहा था

दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर महिलाओं का प्रदर्शन

**नई दिल्ली,एजेंसी।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को गुजरातियों से जुड़े विवादित बयान पर खेद जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उनके बयान को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। हालांकि वो अपने शब्दों पर खेद व्यक्त करते हैं।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, खड़गे ने रविवार को केरल के इडुक्की में कहा था कि राज्य के लोग 'पढ़े–लिखे और समझदार' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य जगहों के लोग 'अनपढ़' हैं।उधर, गुजराती समुदाय के लोगों ने खड़गे के बयान को लेकर दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। खड़गे के खिलाफ नारेबाजी की और मांफी मांगने की अपील की।

**BJP बोली– राहुल, सोनिया जवाब दें :** BJP के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व से इस पर जवाब मांगा। उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से पूछा कि क्या वे खड़गे के बयान से सहमत हैं। प्रसाद ने कहा, 'क्या वे इस बयान से सहमत हैं? अगर राहुल गांधी में समझ है तो उन्हें इस टिप्पणी से दूरी बनानी चाहिए, इसकी निंदा करनी चाहिए और माफी की मांग करनी चाहिए।' गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि खड़गे को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने साढ़े छह करोड़ गुजरातियों का अपमान ही नहीं किया है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पवित्र भूमि के गौरव को भी ठेस पहुंचाई है।

## रेत माफिया ने वन रक्षक को ट्रैक्टर से कुचला

### मुरैना में अवैध परिवहन रोकने गई थी टीम; मर्डर के बाद रेत खाली की, फिर भागा आरोपी

**मुरैना,एजेंसी।** मुरैना में रेत माफिया ने अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम पर हमला कर दिया। बदमाशों ने वन रक्षक हरकेश गुर्जर को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात दिमनी थाना इलाके में रानपुर गांव चौराहे के पास बुधवार सुबह करीब 6 बजे की है। पुलिस ने बताया कि अवैध रेत परिवहन की सूचना पर वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान ड्राइवर विनोद कोरी ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने की कोशिश की। वन रक्षक हरकेश गुर्जर रोकने के लिए आगे बढ़े तो विनोद ने उनको कुचल दिया। फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भाग निकला। पास ही बने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में आरोपी विनोद कोरी की तस्वीरें कैद हुई हैं। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, एसपी समीर सौरभ और डीएफओ हरिश्चंद्र बघेल मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों से बात की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

## उत्तराखंड- चारों धाम में बर्फबारी राजस्थान में भी ओले गिरे

म.प्र.में 3 चक्रवात एक्टिव; 7 दिन में क्रमें आंधी से 15 की मौत

**भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून, एजेंसी।** देश में एक साथ दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने से मौसम बदल गया है। उत्तराखंड के चारों धाम-केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में बर्फबारी हो रही है। राज्य के सभी जिलों में बारिश हो रही है।राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर समेत कई जिलों में तूफानी बारिश के साथ ओले भी गिरे। कई जिलों में एक इंच से ज्यादा पानी बरसा। वहीं, भरतपुर जिले में मकान पर बिजली गिरने से सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। बारिश की वजह से तापमान में 7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।यूपी के लखनऊ, गोरखपुर, गोंडा, जौनपुर, अलीगढ़ समेत 20 जिलों में आज तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। 9 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है।

## पुडुचेरी में आज होगा मतदान, सभी तैयारियां पूरी व सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाकचौबंद

**पुडुचेरी,एजेंसी।** केंद्रशासित राज्य पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए आज यानी गुरुवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। इसके लिए शासन और प्रशासन स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूरे प्रदेश के 30 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1,099 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।बुधवार को मतदानकर्मियों को इवीएम सहित अन्य सामान के साथ जीपीएस युक्त वाहनों के माध्यम से मतदान केंद्रों तक रवाना कर दिया गया। उनके साथ पुलिस सुरक्षा और हथियारबंद जवानों को भी भेजा गया है। सुबह उम्मीदवारों और उनके एजेंटों की उपस्थिति में मतदान केंद्र पर सुरक्षित कमरों की सील खोली गई और ईवीएम तथा नियंत्रण इकाइयों को अलग किया गया। सभी मतदान केंद्रों पर अर्द्धसैनिक बल, पुलिस और चुनाव अधिकारी तैनात किए गए हैं। ईवीएम मशीनों को संबंधित मतदान अधिकारियों को सौंप दिया गया है। सभी मतदान केंद्रों पर वेब कैमरों के माध्यम से नियंत्रण कक्ष से निगरानी की जा रही है।

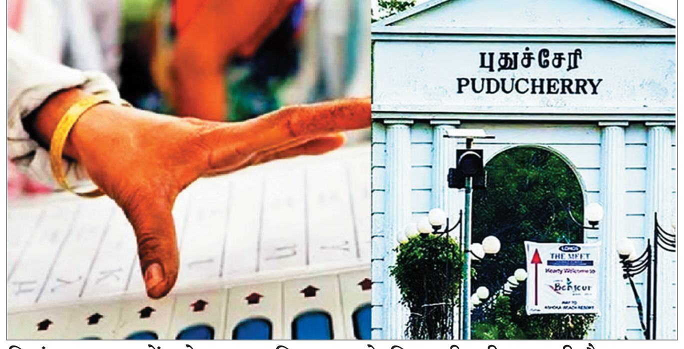



तय कार्यक्रम के अनुसार कल सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा और शाम 6 बजे समाप्त होगा। इसके बाद मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना केंद्रों तक लाया जाएगा। जहां इन ईवीएम को सुरक्षित कमरों में सील किया जाएगा। इन सुरक्षित कमरों की 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी। इनकी सुरक्षा के लिए अर्द्धसैनिक बलों और पुडुचेरी पुलिस की तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अगले महीने की 4 तारीख को विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती की जाएगी।चुनाव के लिए पुडुचेरी क्षेत्र के ईवीएम मशीनों को टैगोर आर्ट्स कॉलेज, मोतीलाल नेहरू पॉलिटेक्निक कॉलेज और महिलाओं का इंजीनियरिंग कॉलेज परिसरो में स्थित मतगणना केंद्रों के सुरक्षित कमरों में रखा गया था। पुडुचेरी केंद्र शासित राज्य के 30 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 1,099 ईवीएम, 1,099 कंट्रोल यूनिट और 1,099 वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया जाएगा।

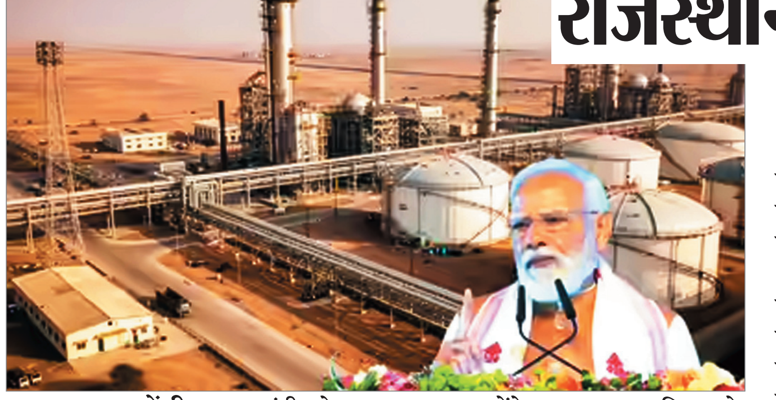

## राजस्थान की रिफाइनरी से नहीं निकलेगा कचरा, सबसे आधुनिक भी

पीएम 21 अप्रैल को करेंगे उद्घाटन, 79 हजार करोड़ में बनी

**जयपुर,एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को बालोतरा जिले में पचपदरा रिफाइनरी के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के लिए रिफाइनरी के अलग मायने हैं। प्रोजेक्ट से बाड़मेर-जैसलमेर में इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित होगा। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स व सहायक उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

जनवरी से ही रिफाइनरी के पहले चरण के ट्रायल रन (कच्चे तेल का प्रसंस्करण) की तैयारी शुरू कर दी गई थी। इसमें जल्द कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा।

मोदी 2 महीने में दूसरी बार राजस्थान आ रहे हैं। पीएमओ से मंजूरी मिलने के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी दी है।

**रिफाइनरी का दो बार हुआ शिलान्यास :** पचपदरा रिफाइनरी का शिलान्यास पहली बार 22 सितंबर 2013 को हुआ था। उस समय तत्कालीन यूपीए की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रिफाइनरी का शिलान्यास किया था। प्रदेश में अशोक गहलोत की सरकार थी। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 37,230 करोड़ थी।

सत्ता परिवर्तन के बाद रिफाइनरी की शर्तों में बदलाव के बाद पीएम मोदी ने 16 जनवरी 2018 को फिर से इसके कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया। इस समय इसकी लागत बढ़कर 43 हजार 129 करोड़ रुपए हो गई थी।

इसका काम 31 अक्टूबर 2022 तक पूरा किया जाना था, लेकिन पिछली कांग्रेस सरकार के समय 2 जून 2023 को परियोजना की लागत बढ़कर 72,937 करोड़ रुपए हो गई।

भजनलाल सरकार में कंपनी ने 24 जुलाई 2025 को रिफाइनरी के लागत मूल्य में द्वितीय संशोधन प्रस्ताव सरकार को प्रस्तुत किया।

इसके बाद इसकी लागत बढ़कर 79 हजार 459 करोड़ रुपए हो गई है। रिफाइनरी एचपीसीएल और राजस्थान सरकार का एक संयुक्त उपक्रम है।

## संपादकीय

### ट्रंप की 'तबाह' धमकी

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात्रि 10.30 बजे के करीब मीडिया को संबोधित कर एक बार फिर धमकी दी कि अमरीका एक ही रात में ईरान को खत्म कर सकता है। तबाह और बर्बाद कर सकता है। यह रात कल (मंगलवार) भी हो सकती है। भारतीय समयानुसार बुधवार, सुबह 5.30 बजे राष्ट्रपति ट्रंप की 'डेडलाइन' है। उसके बाद कयामत के लम्हे कभी भी सामने आ सकते हैं। ईरान ने इस धमकी का पलटजवाब दिया है कि न तो होर्मुज स्ट्रेट खुलेगा और न ही जंग रुकेगी। ईरान के कथित सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का बयान भी सार्वजनिक किया गया है कि हम कुर्बानी देने से नहीं घबराते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अमरीकी सेना ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों, जल-संयंत्रों पर ऐसे ताबड़तोड़ हमले करेगी कि ईरान अंधकार में डूब जाएगा। वह 'पाषाण-युग' वाला दृश्य ही होगा। क्या फिर भी ईरान 'समझौता' नहीं करना चाहता, सरेंडर नहीं करना चाहता? ईरान ने ऐसे समझौतापरस्त प्रस्तावों को भी खारिज कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक एयरमैन सैनिक को बचाने के सैन्य अभियान की खूब तारीफ की। राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि ऑपरेशन में 200 कमांडो, सैनिक और 21 विमानों ने शिरकत की। यह इतिहास का सबसे कठिन और सफल बचाव था। अमरीकी सैनिक दुश्मन देश और उसकी जमीन से अपने एयरमैन सैनिक को बचाकर ले आए, ऐसा ऑपरेशन कभी नहीं हुआ। अनुमान है कि एक वायु-सैनिक को बचाने पर अमरीका ने 30 करोड़ डॉलर खर्च कर दिए। युद्ध में अन्य देशों के सैनिक, मासूम और गैर-सैन्य नागरिक भी मारे गए हैं। क्या उनकी जिंदगियां, अमरीकी सैनिक की तरह, कीमती और अनिवार्य नहीं थीं? अमरीकी सेना ने ईरान पर 13,000 से अधिक हमले किए हैं। लगभग इतने ही हमले इजरायली सेना ने किए हैं। करीब 2100 ईरानी नागरिक, 250 बच्चों समेत, मारे गए हैं। कुछ विशेषज्ञ तो मरने वाले ईरानियों की संख्या 5000 से अधिक बताते हैं और 10 लाख से ज्यादा विस्थापित हुए हैं। अमरीकी राष्ट्रपति अब भी ईरान को तबाह, पाषाणकालीन, करना चाहते हैं।

ईरान के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर राष्ट्रपति पद की मर्यादा भी नीलाम कर रहे हैं, लिहाजा अमरीकी संसद में '25वां संशोधन' लागू करने की पुरजोर मांग उभरी है। इसमें ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी और विपक्ष की डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर, सांसद शामिल हैं। अभी तक इस संशोधन के तहत किसी भी राष्ट्रपति को हटाया नहीं जा सका है। दरअसल यह युद्ध ही 'अवैध' है। अमरीका के संविधान और कानून के मुताबिक यह युद्ध अवैध है, क्योंकि अमरीकी कांग्रेस (संसद) की अनुमति नहीं ली गई है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2 (4) के मुताबिक, किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया जा सकता। ये भी नियम हैं कि नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता, अस्पतालों और चिकित्साकर्मियों पर हमले नहीं किए जा सकते, लेकिन ईरान युद्ध में तमाम कायदे-कानूनों का सरेआम, घोर उल्लंघन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुच्छेद 52 में यह प्रावधान है कि कोई भी देश आत्मरक्षा के लिए युद्ध कर सकता है, लेकिन बाद में सुरक्षा परिषद की स्वीकृति प्राप्त करनी जरूरी है। इस युद्ध ने ही जापान, जर्मनी सरीखे देशों को परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर बाध्य किया है। जापान के पास इतना सवंर्धित यूरेनियम और अन्य सामग्री है कि वह 5000 से अधिक परमाणु बम बना सकता है। अर्थात रूस और अमरीका की होड़ में शामिल हो सकता है। फ्रांस ने तय किया है कि वह 2030 तक मिसाइलों और ड्रोन की क्षमता 400 फीसदी बढ़ाएगा। आसन्न युद्ध की तैयारियां...! बहरहाल युद्ध के 39 दिन बीत चुके हैं। दुनिया में हडक़ंप मचा है।

# युद्ध के माहौल में विश्व शांति का शंखनाद है विश्व णमोकार दिवस

ललित गर्ग

(विश्व णमोकार दिवस- 9 अप्रैल, 2026)

विश्व इतिहास के इस संक्रमणकाल में, जब मानवता युद्ध, हिंसा, आतंक, तनाव और असहिष्णुता के बोझ तले कराह रही है, ऐसे समय में 9 अप्रैल 2026 को मनाया जाने वाला विश्व णमोकार मंत्र दिवस एक अद्वितीय आध्यात्मिक ऊर्जा-विस्फोट के रूप में सामने आ रहा है। यह दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि दिव्य चेतना के जागरण का ऐसा अवसर है, जिसमें सामूहिक मंत्रोच्चारण से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियां पूरे विश्व को आलोकित करने वाली हैं। 'एक विश्व, एक दिन, एक मंत्र '-इस संकल्प के साथ प्रातः जब संपूर्ण पृथ्वी पर एक साथ णमोकार महामंत्र का उच्चारण होगा, तब यह केवल ध्वनि नहीं होगी, बल्कि एक दिव्य ऊर्जा तरंग का निर्माण होगा। आध्यात्मिक विज्ञान के अनुसार, जब लाखों-करोड़ों लोग एक ही समय पर एक ही पवित्र मंत्र का उच्चारण करते हैं, तो उससे उत्पन्न स्पंदन वातावरण को शुद्ध करते हैं, नकारात्मक ऊर्जा का क्षय करते हैं, सकारात्मक चेतना का तीव्र प्रसार करते हैं और शांति एवं अहिंसा का शंखनाद करते हैं। यह सामूहिक ऊर्जा 'संकल्प शक्ति' के रूप में कार्य करती है, जो असंभव को संभव बनाने की क्षमता रखती है।

यह विलक्षण दिवस हजारों मंदिरों एवं अन्य स्थलों में जातीय बंधनों को तोड़कर सभी समुदाय, जाति, वर्ग के लोगों को सम्मिलित होने का अवसर देकर एक प्रेरणादीप बनेगा, जहां मैत्री के फूल खिलेंगे, शांति एवं सद्भावना की ज्योति रश्मियां जगमगायेगी। मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुई, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक-आचरण, सम्यक-चरित्र, सम्यक-दृष्टि का अभाव अखरता है। सिद्ध एवं चमत्कारी णमोकार महामंत्र सम्यक-आचरण को उद्घाटित करने वाला किसी धर्म विशेष का नहीं है, यह एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वदैशिक मंत्र है, जिसका उच्चारण कर व्यक्ति शुद्ध आचरण एवं स्वस्थ जीवनशैली को आकार देते हुए शांति, अहिंसा, अयुद्ध, सह-जीवन का साकार कर सकता है। 'णमोकार महामंत्र' के सामूहिक उच्चारण के माध्यम से दुनिया भर के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास है।

यह आयोजन विश्व शांति, आत्मशांति, सद्भावना और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन-जीतो संस्था के द्वारा कराया जा रहा है। इस विराट आयोजन में 180 से अधिक देशों के लाखों श्रद्धालु भाग लेंगे। विश्वभर में 100 से अधिक मेगा इवेंट्स और 6000 से अधिक मंदिरों एवं स्थलों पर यह सामूहिक जाप होगा। दिल्ली के मुख्य समारोह में भारत के 14वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति इस आयोजन को वैश्विक पहचान प्रदान करेगी। इस आयोजन से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियों का वर्णन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि अनुभव का विषय भी है। यह मंत्र आत्मा के गहनतम स्तर को स्पर्श करता है, जहां से चेतना की शुद्ध धारा प्रवाहित होती है। ऐसा माना जाता है कि इस सामूहिक जाप के दौरान-मानसिक शांति और स्थिरता का अद्भुत अनुभव होता है, जिससे तनाव, भय और अवसाद स्वतः क्षीण होते हैं। आभामंडल की शुद्धि होती है, जिससे व्यक्ति की ऊर्जा सकारात्मक और प्रभावशाली बनती है। रोगों में राहत और स्वास्थ्य में सुधार के अनेक अनुभव सामने आते हैं, क्योंकि सकारात्मक कंपन शरीर की कोशिकाओं को संतुलित करते हैं। संकल्प सिद्धि की शक्ति बढ़ती है अर्थात् जो शुभ संकल्प किए जाते हैं, वे पूर्ण होने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होते हैं। कर्म निर्जरा (कर्मो का क्षय) की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति संभव होती है।

दुनिया में अनेक मंत्र हैं, किंतु दो मंत्र विशेष रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं गायत्री मंत्र और णमोकार महामंत्र। णमोकार मंत्र न केवल जैन धर्म का मूल मंत्र है, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि और चेतना के उत्कर्ष का सार्वभौमिक सूत्र है। इसकी शक्ति अनंत और अक्षय मानी जाती है। इसमें किसी व्यक्ति का नहीं, किंतु संपूर्ण रूप से विकसित और विकासमान विशुद्ध आत्मस्वरूप का ही दर्शन, स्मरण, चिंतन, ध्यान एवं अनुभव किया जाता है। लौकिक मंत्र आदि सिर्फ लौकिक लाभ पहुँचाते हैं, किंतु लोकोत्तर मंत्र लौकिक और लोकोत्तर दोनों कार्य सिद्ध करते हैं। इसलिए णमोकार मंत्र सर्वकार्य सिद्धिकारक लोकोत्तर मंत्र माना जाता है, सब पापों का नाश करने वाला है, यह अद्भुत शांति का कारक है। यह संसार में सबसे उत्तम मंगल को घटित करने वाला सिद्ध मंत्र है। णमोकार-स्मरण से अनेक लोगों के रोग, दरिद्रता, भय, तनाव, अशांति, विपत्तियाँ दूर होने की अनुभव सिद्ध घटनाएँ सुनी जाती हैं। मन चाहे काम आसानी से बन जाने के अनुभव भी सुने हैं।

णमोकार महामंत्र के जाप एवं साधना से उत्पन्न ऊर्जा एक पाथेय है जीवनशैली को बदलने का, पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति जागरूक होने का, शांति एवं अहिंसक जीवनशैली का, शरीर, मन, आत्मा एवं प्रकृति के प्रति सचेत रहने का। मूल्यों का सम्बन्ध तो 'जियो और जीने दो' जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है, जो णमोकार महामंत्र की सार्थक निष्पत्ति है। इस मंत्र के प्रथम पाँच पदों में 35 अक्षर और शेष दो पदों में 33 अक्षर हैं। इस तरह कुल 68 अक्षरों का यह महामंत्र समस्त कार्यों को सिद्ध करने वाला व कल्याणकारी अनादि सिद्ध मंत्र है। इसकी आराधना करने वाला स्वर्ग यानी मोक्ष-संसारबंधनों मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। यह मन्त्र एक भावना है, एक इच्छा है, एक कामना है जो बार बार दोहराई जाती है ताकि वैसा हो जाए, इस दृष्टि में उन्नत विश्व संरचना, हिंसा एवं युद्ध मुक्ति के लिये यह कारगर है। सह-अस्तित्व के लिए अहिंसा अनिवार्य है और अहिंसा को फलित करने के लिये णमोकार महामंत्र अचूक उपक्रम है, अनुष्ठान है। दूसरों का अस्तित्व मिटाकर अपना अस्तित्व बचाए रखने की कोशिशें व्यर्थ और अन्ततः घातक होती हैं।

भगवान् महावीर का संदेश कि 'सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय '-इस मंत्र की मूल भावना है। जब यह मंत्र करोड़ों कंठों से एक साथ गूंजता है, तो यह केवल शब्द नहीं रहता, बल्कि करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की वैश्विक घोषणा बन जाता है। आचार्य उमास्वाति की उक्ति 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' इस सामूहिक साधना के माध्यम से जीवंत हो उठती है। गतवर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने उद्बोधन में इस मंत्र को 'आंतरिक क्रांति का माध्यम' बताया था। उन्होंने कहा कि यह मंत्र केवल जप नहीं, बल्कि जीवन को बदलने की शक्ति है-एक ऐसा साधन जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और समाज को एक सूत्र में पिरोता है। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और आतंक के संकट से जूझ रहा है, तब यह आयोजन एक 'आध्यात्मिक ऊर्जा-संकल्प' बन सकता है। यह वह क्षण होगा, जब मानवता अपनी सामूहिक चेतना से शांति का आह्वान करेगी और णमोकार मंत्र की दिव्य तरंगें विश्व को एक नई दिशा देंगी।

निश्चित तौर पर यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है। यदि हम इस मंत्र की शक्ति को समझकर उसे अपने जीवन में उतारें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन, बल्कि सम्पूर्ण विश्व शांति, समरसता, अहिंसा, अयुद्ध और आनंद की दिशा में अग्रसर हो सकता है। यही इस मंत्र की चमत्कारी शक्ति है, यही इसकी सिद्धि है, और यही इसका वैश्विक संदेश है। णमोकार महामंत्र व्यक्ति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए णमोकार महामंत्र से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता। इस दृष्टि से विश्व णमोकार मंत्र दिवस सम्पूर्ण विश्व को आत्म-कल्याण से विश्व-कल्याण की ताकत और प्रासंगिकता से अवगत कराने का सशक्त माध्यम है। आत्मविशुद्धि और मुक्ति के साथ-साथ जीवन को सुखद, समृद्ध, निरोगी और प्रसन्न बनाने के लिए नियमित रूप से णमोकार महामंत्र का जाप करना चाहिए। णमोकार महामंत्र हमें जीवन की समस्याओं, कठिनाइयों, चिंताओं, बाधाओं से पार पहुंचाने में सबसे बड़ा आत्म-सहायक है। यह मंगल भावनाओं से भरा मंत्र जगत में मांगल्य की वृद्धि करता है। मांगल्य की भावना को बढ़ाता है।

## आज का इतिहास

1860 - पहली बार मनुष्य की आवाज़ का अंकन किया गया।

1965 - कच्छ के रन में भारत-पाक में युद्ध छिड़ा।

1988 - ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।

1989 - एशिया की पहली सम्पूर्ण भूमिगत संजय जलविद्युत परियोजना शुरू की गयी।

1998 - सऊदी अरब में मीना के पास भगदड़ में 150 से अधिक यात्रियों की मृत्यु।

1999 - नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बारे मैनसारा की हत्या, खालसा पंथ की त्रिशती पर विशेष डाक टिकट जारी।

2002 - बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को भी भाग लेने की छूट मिली।

2003 - स्टीव वॉ सर्वाधिक टेस्ट (157) खेलने वाले खिलाड़ी बने।

2004 - ईराक में संघर्ष तेज़ पर अमेरिकी काफ़िले पर हमले में 9 लोगों की मृत्यु। पुर्तग़ाल के सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के कई आपराधिक मामलों में वांछित माफिया सरगना अबू सलेम के भारत प्रत्यर्पण सम्बन्धी आदेश की पुनः समीक्षा करने को कहा।

2005 - ब्रिटेन के युवराज चार्ल्स का विवाह कैमिला के साथ सम्पन्न।

2006 - यूरेनस ग्रह के चारों ओर शनि जैसा वलय होने की पुष्टि। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ़ ने 2007 के चुनावों के बाद भी अपने पद बने रहने की घोषणा की।

2008 -

उत्तर प्रदेश सरकार ने दलिया व कॉपियों समेत डेढ़ दर्जन वस्तुओं को वैट से मुक्त किया। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वर्ष 2007-08 में अपने कारोबार में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 21% की वृद्धि की।

नेपाल में बहुप्रतीक्षित संविधान सभा के लिए मतदान शुरू हुआ।

2010 - जम्मू-कश्मीर की विधान सभा ने अंतर ज़िला भर्तियों पर पाबंदी लगाए जाने सबंधी विवादित विधेयक पारित हो गया।

9 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1933 - प्रतिमा देवी (अभिनेत्री) - कन्नड़ सिनेमा की प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री थीं।

1893 - राहुल सांकृत्यायन- हिन्दी के एक प्रमुख साहित्यकार थे।

1916 - एस. ओबुल रेड्डी - आंध्र प्रदेश के 6वें राज्यपाल थे।

1929 - शरन रानी - 'हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत' की विद्वान् और सुप्रसिद्ध सरोद वादिका

1948 - जया बच्चन - अभिनेत्री।

1954 - जयराम रमेश, प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ और अर्थशास्त्री।

1964 - तीरथ सिंह रावत - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।

1919 - अवधानम सीता रमन - भारतीय लेखक और पत्रकार थे।

# ब्रह्माकुमारीज की राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार 30 अप्रैल से आबू में !

**माउंट आबू के ज्ञान सरोवर में वैश्विक शांति की आवश्यकता – मीडिया की भूमिका विषय पर एक राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार और रिट्रीट का आयोजन 30 अप्रैल से 4 मई तक किया जा रहा ।ब्रह्माकुमारीज का मीडियाविंग पत्रकारिता को आध्यात्मिकता से जोड़ने का अभियान विगत कई दशक से चला रहा है। ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू के राष्ट्रीय समन्वयक बीके शांतनु के संयोजन व संस्था महासचिव बीके करुणा भाई के मार्गदर्शन में देशभर से चुनिंदा पत्रकारो,मीडिया प्राध्यापको व संस्थान प्रमुखों के माध्यम से मीडिया को आध्यात्मिकता से जोड़कर उनके चारित्रिक उत्थान के लिए यह मीडिया सेमिनार आयोजित की जा रही है ।ब्रह्माकुमारीज महासचिव बीके करुणा भाई की इस मीडिया सेमिनार रूपी यज्ञ के आयोजन में महती भूमिका है।**

डॉ श्रीगोपाल नारसन

वे मानते है कि मीडिया अपनी सार्थक जिम्मेदारी निभा रहा है और मीडिया का राष्ट्रीय व सामाजिक सरोकारों को आमजन के सामने लाने में अहम योगदान है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान पिछले 28वर्षों से पत्रकारिता को आध्यात्मिकता से जोड़कर देश विदेश के पत्रकारों को मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के लिए जागरूक करता रहा है। इस राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार में बड़ी संख्या में मीडिया कर्मियों के भाग लेने की व्यवस्था की गई है । इस राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार का मुख्य उद्देश्य मीडिया के क्षेत्र में नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मक पत्रकारिता की ओर पत्रकारों को प्रेरित करना है, साथ ही पत्रकारों के मानसिक तनाव को राजयोग के अभ्यास से कम करना है। ब्रह्माकुमारीज प्रेरित करती है कि पत्रकार ऐसे लोगों की आवाज को उठाएं जो असक्त हैं और अपनी स्वयं की रक्षा नहीं कर सकते। यदि पत्रकारों को मूल्यनिष्ठ ,कर्तव्यनिष्ठ व चरित्रवान बनाने के लिए समय समय पर प्रशिक्षित किया जाए तो मीडिया जगत में सच परोसने वालो की संख्या बढ़ सकती है।

वर्तमान दौर में मीडिया के माध्यम से परोसे जा रहे सत्य की सारगर्भित विवेचना होने और देश की अर्थव्यवस्था, चुनाव, राजनीति व मीडिया की स्वतंत्रता को भी रेखांकित किया गया है। मीडिया की विभिन्न चुनोतियो की ओर ध्यानाकर्षण कराने और मिडिया पर आए संकट को भी परिभाषित करने की सोच बनी है। देश मे सच लिखने वाले अच्छे पत्रकारों की आज भी कमी नही है ,लेकिन अगर ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं के माध्यम से पत्रकारों को समय समय पर मिशनरी पत्रकारिता के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है,उन्हें राजयोग का नियमित अभ्यास कराकर उन्हें उनका कर्तव्य बोध कराया जाता है तो अप्रमाणिक ख़बर परोसने वालो की संख्या घट सकती है और सत्य आधारित मूल्यपरक पत्रकारों की संख्या में आशातीत बढ़ोतरी हो सकती है।राजयोगिनी उषा बहन मीडिया के संदर्भ में युवा पत्रकारों के चरित्रनिर्माण पर जोर देती है ,उनका कहना है कि देश और समाज को उन्नत करने के लिए मूल्यो को समझना व उनपर चलना जरूरी है। मीडिया में अपेक्षित सुधार के लिए ब्रह्माकुमारीज के द्वारा आयोजित की जाने वाली नेशनल मीडिया सेमिनारों की आज के दौर में सबसे ज्यादा आवश्यता है।तभी मीडिया अच्छे काम करके देश व समाज मे अपनी सार्थक भूमिका निभा सकता है।वरिष्ठ राजयोगी एवं ज्ञानामृत के संपादक ओमप्रकाश भाई का मानना है कि लोकतंत्र में मीडिया के महत्व को नकारा नही जा सकता और ब्रह्माकुमारीज के इस विषयक योगदान की सराहना होनी ही चाहिए।क्योंकि ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से पत्रकारों को निरन्तर मूल्याधारित पत्रकारिता का प्रशिक्षण देकर हालात बदले जा रहे है,जो सार्थक परिणामो का असर है।ओमशांति मीडिया के संपादक बीके गंगाधर भाई कहते है कि पत्रकारों द्वारा की गई सामाजिक सेवा व सामाजिक मूल्यों को बचाये रखने के पत्रकारों के योगदान के भुलाया नही जा सकता।साथ ही वे अच्छी सोच विकसित करने पर भी जोर देते है ,तभी हम मीडिया को अच्छा बना सकते है। मीडिया में आये दिन हो रहे बदलाव और उसके प्रभाव को लेकर भी इस मीडिया सेमिनार में भी चर्चा होगी,ऐसी उम्मीद है।पत्रकारिता के क्षेत्र में नए विद्यार्थियों की अपेक्षाओं और इस दिशा में आमजनमानस की सोच को रेखांकित करते हुए बाजारवाद के बाद भी मूल्यों का बचा रहना ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं के माध्यम से ही संभव हो पा रहा है।मीडिया सम्मेलन में देशभर से हर एक साल में 2 बार भाग लेने वाले पत्रकार संकल्प लेते है कि वे ब्रह्माकुमारीज से जाकर अपनी लेखनी के माध्यम से सकारात्मक खबरों को बढ़ावा देंगे,क्योंकि पत्रकारिता में आध्यात्म के समावेश से ही समृद्ध भारत की तस्वीर बनेगी। पत्रकार अपने समाचार के माध्यम से समाज में आशा जगाने वाली सकारात्मक खबरों को प्रस्तुत करने की पहल भी ब्रह्माकुमारीज से प्रेरित होकर करते है। इससे ही मीडिया समाज को मानसिक स्वास्थ्य परोस सकता है। समाज और जीवन को प्रभावित करने वाली जो भी गतिविधियां हमारे समाज में हैं, उसमें समाज को प्रभावित करने के लिए मीडिया एक महत्वपूर्ण माध्यम है। मीडिया समाज लोक मंगल कार्य में बहुत प्रभावकारी है। जैसे डॉक्टर शरीर के स्वास्थ्य के लिए है, उसी प्रकार मीडिया मानसिक स्वास्थ्य समाज को दे सकता है। अगर देश को सही मायने में स्वर्णिम भारत बनाना है तो मीडिया को सच्चाई दिखाने के दरवाजे खोलने पड़ेंगे।गोड़लीवुड स्टूडियो के वरिष्ठ राजयोगी हरिलाल भाई मानते है कि ब्रह्माकुमारीज के पवित्र वातावरण में आकर पत्रकारों को पवित्रता का सुखद अनुभव होता है और उनके मन को शांति मिलती है,जो उनके सेवाकार्य में मददगार सिद्ध होती है।वे संस्था के अतीत पर प्रकाश डालते हुए बताते है कि वर्ष 1936 में बहुत छोटे स्तर पर सिंध प्रांत कराची में ब्रह्माकुमारीज संस्थान की नींव ओम मंडली के रूप में रखी गई थी और अपनी इतने वर्षों की यात्रा में आज यह संस्था विश्व के 140 देशों में 8500 से अधिक सेवाकेंद्रों के माध्यम से राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्म का संदेश दे रहा है । ब्रह्माकुमारीज में पचास हजार ब्रह्माकुमारी बहनें तन-मन-धन से समर्पित रूप से सेवाएं दे रही हैं,वही दुनियाभर में संस्था के 20 लाख विद्यार्थी नियमित राजयोग ध्यान करते हैं। जो अपने आप मे सुखद व विश्व शांति का कारक है।ब्रह्माकुमारीज से देश की राष्ट्रपति जहां सीधे जुड़ी है वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ब्रह्माकुमारीज के विश्व स्तरीय योगदान से प्रभावित है।ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका ह्रदयमोहिनी दीदी के नेतृत्व में मिडियाविंग का यह प्रयास पत्रकारिता के सुखद भविष्य का कारक बन रहा है।

लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ पत्रकार है)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## आज का राशिफल

मेष- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष- आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क- कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह- दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लानए अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या- व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक- कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु- अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था के लिए जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ- विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन- कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com•garvigujarat2007@yahoo.com•Website : www.garvigujarat.co.in

# अखिलेश सरकार 'ल्यारी राज', योगी 'धुरंधर सीएम'; लोगों से पूछा- आपको क्या चाहिए? भड़की सपा

**आजमगढ़, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर पोस्टर वार छिड़ गया है। जनपद के सिधारी थाना क्षेत्र के हरबंशपुर, फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के जगदीशपुर पुल पर और बिलरियागंज थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार में 'यूथ अगेंस्ट माफिया' संगठन के नाम से लगाए गए होर्डिंग्स ने समाजवादी पार्टी (सपा) में तीखा आक्रोश पैदा कर दिया है। इन पोस्टरों में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सरकार 2012-17 की तुलना बॉलीवुड फिल्म 'धुरंधर' में दिखाए गए पाकिस्तान के कराची स्थित ल्यारी इलाके के 'ल्यारी राज' से की गई है, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'धुरंधर सीएम' करार दिया गया है।

पोस्टरों में अखिलेश यादव की तस्वीर को फिल्म के विलेन 'रहमान डकैत' की शैली में प्रस्तुत किया गया है। नीचे साफ शब्दों में लिखा है 'अखिलेश का ल्यारी राज'। वहीं, दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की तस्वीर में उन्हें कन्या के पैर धोते हुए दिखाया गया है, जिसके साथ कैप्शन है 'धुरंधर सीएम'। योगी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए माफिया अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और मुकीम काला की मौत से संबंधित अखबारों की कटिंग्स भी चिपकाई गई हैं, जिससे यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि योगी राज में माफिया तंत्र पर सख्त कार्रवाई हुई। पोस्टरों में सपा शासन काल के दौरान मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में हुए दंगों का भी जिक्र किया गया है। 'यूथ अगेंस्ट माफिया' ने इन घटनाओं को ल्यारी राज की तरह बताते हुए दावा किया है कि उस दौर में अपराध और अराजकता का बोलबाला था। पोस्टरों पर लिखा गया है कि सपा का 'ल्यारी राज' न भूले हैं और न भूलेंगे। वहीं, बिलरियागंज बाजार में नए चौक के पास लगे विवादित बैनर को लेकर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। मामले में पक्का पोखरा निवासी रामकरन यादव ने थाना बिलरियागंज में तहरीर दी है। आरोप है कि यह बैनर 'यूथ अगेंस्ट माफिया' संगठन से जुड़े आशुतोष सिंह, अभिनव तिवारी और गुलशन कुमार द्वारा लगाया गया था। सूचना मिलने के बाद बैनर को हटवा दिया गया। घटना को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई। विरोध जताने वालों में राम विनय यादव, दिनेश यादव, मोहम्मद आरिफ खान, कोमल पासवान, राकेश विश्वकर्मा और आसिफ अहमद सहित कई लोग शामिल रहे। थानाध्यक्ष सुनील दुबे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसे लेकर सपा के समर्थकों में काफी रोष है।

**सपाईयों में गुस्सा, राजनीतिक बवाल:** आजमगढ़। इन पोस्टरों के लगते ही सपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश फैल गया है। कई सपाई नेताओं ने इसे 'राजनीतिक साजिश' और 'फिल्म का गलत इस्तेमाल' करार दिया है। सपा की ओर से इन पोस्टरों को फाड़ने या हटाने की मांग की जा रही है।

वहीं, भाजपा समर्थक इसे 'सच्चाई का आईना' बता रहे हैं। फिल्म 'धुरंधर' हाल ही में रिलीज हुई है, जिसमें ल्यारी के गैंगस्टर 'रहमान डकैत' (अक्षय खन्ना अभिनीत) का किरदार प्रमुख है। फिल्म के कुछ दृश्यों और थीम को लेकर पहले से ही राजनीतिक चर्चाएं चल रही थीं। फूलपुर के इन पोस्टरों ने उस बहस को और तेज कर दिया है।

**योगी बनाम अखिलेश : पुराना मुकाबला नया रूप:** अंबारी। यह घटना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के बीच लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक मुकाबले को नया आयाम दे रही है। भाजपा की ओर से अक्सर सपा शासन को 'गुंडाराज' और 'माफिया राज' बताया जाता रहा है।

## अब मेडिसिन वार्ड में जूनियर डॉक्टरों ने तीमारदार को पीटा, उपचार बीच में छोड़ मरीज को घर ले गए

**गोरखपुर , एजेंसी।** पीड़ित ने आरोप लगाया कि ब्लड सैंपल को लेकर उन्होंने कहा कि जांच के लिए लंबी लाइन लग रही है, ऐसे में दोनों सैंपल एक साथ ले लिए गए होते तो बेहतर होता। इसी बात को लेकर प्रदीप और जूनियर डॉक्टरों के बीच कहासुनी हो गई। प्रदीप का आरोप है कि डॉक्टरों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और विरोध करने पर उनके साथ मौजूद भाई मंदीप के साथ मारपीट की। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन वार्ड नंबर 11 में अब जांच के लिए ब्लड सैंपल को लेकर विवाद हो गया। सिद्धार्थनगर जिले के रहने वाले मरीज के तीमारदारों ने मंगलवार की दोपहर में जूनियर डॉक्टरों पर मारपीट और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। विवाद के बाद परिजन उपचार बीच में छोड़कर मरीज को लेकर घर चले गए। जानकारी के अनुसार, सिद्धार्थनगर जिले के उसका बाजार थाना क्षेत्र के मधवापुर गांव के रहने वाले प्रदीप ने अपने 73 वर्षीय पिता शिवप्रसाद को सोमवार की देर रात सांस फूलने की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया था। मंगलवार की दोपहर में जूनियर डॉक्टरों ने जांच के लिए ब्लड का सैंपल लिया। प्रदीप का आरोप है कि वह यूजर चार्ज काउंटर पर शुल्क जमा करने के बाद सेंट्रल पैथोलॉजी में सैंपल देकर लौटे ही थे कि डॉक्टरों ने दोबारा ब्लड सैंपल लेकर दूसरी जांच कराने के लिए कहा। प्रदीप का कहना है कि इस पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि, जांच के लिए लंबी लाइन लग रही है, ऐसे में दोनों सैंपल एक साथ ले लिए गए होते तो बेहतर होता। इसी बात को लेकर प्रदीप और जूनियर डॉक्टरों के बीच कहासुनी हो गई। प्रदीप का आरोप है कि डॉक्टरों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और विरोध करने पर उनके साथ मौजूद भाई मंदीप के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान वार्ड में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। विवाद से आहत परिजन बाद में मरीज को लेकर अस्पताल से घर लौट गए। इस संबंध में गुलरिहा थाना प्रभारी इत्यानंद पांडेय ने बताया कि मामले में अभी तक किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

**पहले भी आ चुके हैं मामले:** अक्तूबर 2024 में महराजगंज जिले से अपनी दादी का इलाज कराने आए युवक को 15 से 20 की संख्या में जूनियर डॉक्टरों ने कमरे में बंद कर बुरी तरह पीटा था। यह भी आरोप था कि समझौता पेपर पर जबरन हस्ताक्षर करा लिए गए। जानकारी होने पर एक सीनियर डॉक्टर ने युवक को आरोपियों की पहचान के लिए बुलाया मगर जूनियर डॉक्टर फोन बंद कर गायब रहे थे।

## कर्मचारियों के खिलाफ जांच और कार्रवाई का ब्योरा होगा ऑनलाइन, प्रमुख सचिव ने जारी किया शासनादेश

**लखनऊ, एजेंसी।** मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मिकों की जानकारी अपडेट करेंगे। जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है उनके मामलों में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाए। अब राज्य कर्मियों के खिलाफ चल रही जांच, विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच संबंधी सूचना मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। इस संबंध में प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज ने शासनादेश जारी कर दिया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।शासनादेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मिकों की जानकारी अपडेट करेंगे। जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है उनके मामलों में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाए। साथ ही विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच की जानकारी ऑनलाइन उसके सर्विस बुक में भी दर्ज करें। जिस कार्मिक के खिलाफ कोई जांच नहीं है उसके फार्म के आगे नहीं लिखा जाए।जानकारी ऑनलाइन अपडेट करने के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रारूप भी भेजा गया है। आदेश में कहा गया है कि एडमिन विभागीय कार्रवाई से संबंधित स्थिति यूजर लॉगिन विंडो में अपडेट करेंगे। प्रदेश के सभी रिपोर्टिंग कार्यालयों के नोडल ऑफिस एडमिन आईडी के माध्यम से मानव संपदा पोर्टल में लॉगिन करेंगे और इसके बाद ऐसे सभी कार्मिकों की स्थिति को दर्ज करेंगे।

## 60 किमी की रफ्तार से चलीं हवाएं, बारिश के बीच बिजली आपूर्ति ठप

**वाराणसी, एजेंसी।**काशी में बुधवार की रात अचानक मौसम बदल गया। 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति ठप हो गई। टिन शेड उड़ गए। कुछ इलाकों में पेड़ भी गिरे हैं। तेज आंधी के साथ कई क्षेत्रों में बारिश हुई। वहीं बुधवार की सुबह आसमान साफ रहा, धूप भी निकली, लेकिन थोड़ी ही देर में मौसम बदल गया। बादल छा गए और बूंदाबांदी शुरू हो गई। बारिश से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विज्ञानियों ने बृहस्पतिवार, शुक्रवार को तेज आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। ओलावृष्टि के आसार हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान के ऊपरी सतह पर बने चक्रवाती सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बुधवार को मौसम अचानक बदल गया। बुधवार को दिन में तेज धूप हुई थी लेकिन शाम होते ही बादल छा गए। तेज आंधी चली और बारिश होने लगी। बुधवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 2.6 डिग्री है। तापमान में बृहस्पतिवार को और गिरावट दर्ज की जाएगी। न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री कम है।

## मरीज माफिया पर सख्ती बढ़ी, अब हर गाड़ी की हो रही चेकिंग

**गोरखपुर , एजेंसी।** बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मरीज माफिया की घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। अस्पताल परिसर में अब आने-जाने वाले हर वाहन की गहन जांच की जा रही है। साथ ही बाहर जा रहे मरीजों और तीमारदारों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। अस्पताल प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम इस अभियान को लगातार चला रही है। मुख्य गेट से लेकर अंदर तक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। गार्डों को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना पुष्टि के किसी भी मरीज को बाहर जाने न दें। यदि कोई मरीज अस्पताल से बाहर जा रहा है तो उससे इलाज, गंतव्य और साथ जाने वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी ली जा रही है। सूत्रों ने बताया कि लंबे समय से कुछ बिचौलिए अस्पताल के बाहर सक्रिय रहते हैं, जो मरीजों और उनके परिजनों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में ले जाते हैं। इस दौरान मरीजों से मोटी रकम वसूली जाती थी। कई मामलों में गलत जानकारी देकर इलाज में देरी भी कराई जाती थी। इन शिकायतों के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

मंगलवार को अस्पताल के बाहर भी पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। ऑटो, ई-रिक्शा और एंबुलेंस पर विशेष नजर रखी जा रही है। संदिग्ध वाहनों को रोककर उनकी जांच की जा रही है और चालकों से पूछताछ की जा रही है। इसका असर रहा कि अस्पताल परिसर में दलाल कम नजर आए।

## रामपुर में शिक्षिका की हत्या करके मेरठ के नशा मुक्ति केंद्र में छिप गया पति, कमरे में इस हाल में मिला शव

**मेरठ, एजेंसी।**यूपी के रामपुर में परिषदीय स्कूल में तैनात शिक्षिका की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। उनका शव कमरे में निर्वस्त्र हालत में पड़ा मिला। पुलिस ने आरोपी पति को मेरठ के नशा मुक्ति केंद्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि हत्या के बाद आरोपी पति नशा मुक्ति केंद्र में जाकर छिप गया था। उसने हत्या करना कबूल लिया है। हत्या की यह वारदात सिविल लाइंस की शिव विहार कॉलोनी की है। मेरठ जिले के मवाना तहसील के ग्राम खटीना निवासी राहुल की शादी मुजफ्फरनगर के खतौली थाना क्षेत्र के भैंसी गांव निवासी एकता उर्फ पूजा से हुई थी। वह रामपुर के चमरौवा ब्लॉक के ठाकुरद्वारा स्थित परिषदीय स्कूल में शिक्षिका के पद पर तैनात थीं। करीब दो साल पहले वह अपने पति व बच्चे के साथ रामपुर की शिव विहार कॉलोनी में सुभाष कुमार के मकान में किराये पर रहती थीं। कॉलोनी के लोगों के अनुसार सोमवार की सुबह दूध वाला आया और उसने कई आवाजें दीं लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। दूध वाले ने मकान मालिक को मामले की जानकारी दी। मकान मालिक ने कुछ लोगों के साथ आकर खिड़की से झांककर देखा तो एकता का शव निर्वस्त्र हालत में पड़ा था। उसने शोर मचाकर पड़ोसियों को सूचना दी। कुछ देर में ही मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। किसी तरह से अंदर जाकर पुलिस ने शव को ढंका और स्थानीय लोगों से पूछताछ की लेकिन कोई खास जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की सूचना पर एकता के ससुराली व मायके वाले भी आ गए। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया कि आरोपी पति को मेरठ के नशा मुक्ति केंद्र से गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की वजह पता की जा रही है। उनके अनुसार पूछताछ में राहुल ने गला घोंटकर हत्या की बात स्वीकार की है। बताया कि अभी मामले की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद घटना का सही समय पता चल सकेगा।

**नशे का आदी है राहुल, तीन बार जा चुका नशा मुक्ति केंद्र:** मेरठ में राहुल के पिता नारायण सिंह का कहना है कि वह पांच दिनों पहले रामपुर गए थे। समय-समय पर वह सामान देने के लिए यहां पर जाते रहते हैं। राहुल नशे का आदी है। उसे पहले भी दो बार नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती किया जा चुका है। रविवार शाम को भी राहुल अपने पांच साल के बेटे आदि को लेकर मेरठ आया था

## नौटंकी ने भ्रष्टाचार पर किए चुटीले प्रहार

**लखनऊ , एजेंसी।** भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह के तीसरे दिन आतमजीत सिंह के निर्देशन में नौटंकी 'ये कैसा इंसाफ' के मंचन ने विलुप्त हो रही इस विधा से दर्शकों को रूबरू कराया। बीएम शाह प्रेक्षागृह में मंचित इस नौटंकी को आतमजीत सिंह ने ही लिखा है। समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी पर किए गए चुटीले प्रहारों ने दर्शकों बांधे रखा। सहायक निर्देशन सरबजीत सिंह का रहा।

नौटंकी में लोगों के बीच आपसी झगड़ों और अदालत में उलझे फैसलों को मंच पर उतारा गया। पहला मुकदमा छैला और छबीला का है। छैला अपने बड़े भाई छबीला से खेत जोतने के लिए बैल मांग कर ले जाता है, जब वापस करता है तो बैल की पूंछ कटी होती है। काजी के सामने अपने बयान पर छैला बताता है कि जुताई के दौरान झटका लगने से बैल की पूंछ कट गई थी। काजी जैसे ही फैसला सुनाने लगता है, छैला चुपके से अशर्फियों की थैली उसको पकड़ाता है और फैसला अपने हक में करवा लेता है।

दूसरा मुकदमा काज़ी के पास भोला नाम का व्यक्ति लेकर आता है और छैला पर इल्ज़ाम लगाता है कि छैला ने पुल से छलांग लगाई और सीधा उसके पिता पर आ गिरा, जो नाव से वहां गुजर रहे थे। छैला फिर काज़ी को रिश्वत देकर फैसला अपने हक में करवाता है। तीसरा मुकदमा सराय की एक मालकिन चंदनबाई का है, उसके बच्चे को वहां ठहरा हुआ यात्री छैला पालने में झुलाता है। इस बार भी छैला फंस जाता है। अनोखी घटनाओं, चुटीले संवादों, हास्य-व्यंग्य से भरपूर प्रस्तुति ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। गगनदीप सिंह, पंकज सत्यार्थी, प्रियांक, अभिजीत, श्रेया और आदित्य ने मुख्य भूमिका निभाई। जयनित्य, आंचल, अकील, अलंकार, शिवदीन, शिखा, अमर, वान्या ने भी अभिनय किया।

## सेंट्रल मार्केट में 44 अवैध निर्माण होंगे सील, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश; टीम को व्यापारियों ने घेरा

**मेरठ , एजेंसी।** शास्त्रीनगर नगर सेंट्रल मार्केट प्रकरण पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 44 आवासीय भूखंडों में हो रही व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करने के आदेश दिए हैं। इनमें चल रहे स्कूल, नर्सिंग होम और बैंक्वेट हॉल के खिलाफ भी आदेश दिए गए हैं। अस्पतालों से मरीज शिफ्ट करने का दायित्व जिला प्रशासन को दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे स्कूल और अस्पताल सील करने के आदेश दिए हैं। सुनवाई की अगली तिथि नौ अप्रैल निर्धारित की गई है। शाम को अदालत के आदेश से अवगत कराने पहुंची आवास विकास की टीम का व्यापारियों ने विरोध करते हुए घेराव किया। सोमवार को न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन ने सुनवाई की। आवास एवं विकास परिषद की ओर से सेंट्रल मार्केट के 860 भूखंड में से 44 ऐसे भवनों की सूची दी गई, जो पूर्णतः व्यावसायिक हैं। इनमें छह स्कूल, छह अस्पताल और चार बैंक्वेट हॉल समेत शोरूम, दुकानें चल रही हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की जान जोखिम में है। कोई हादसा होता है तो बच्चों की जान भी जा सकती है। अदालत ने आवासीय भवनों में दिए गए बिजली कनेक्शन की जानकारी मांगी। इस पर आवास एवं विकास परिषद के अधिवक्ता की ओर से बताया गया कि व्यावसायिक कनेक्शन दिए गए हैं। अदालत ने इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए पूछा कि बिजली का कनेक्शन कैसे दिया गया है। नोटिस जारी कर पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) से इस पर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता लोकेश खुराना के वकील तुषार जैन ने मामले में बहस की। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति परिषद की अन्य योजनाओं में भी है।

## चार बांग्लादेशियों को किया गिरफ्तार, क्रशर प्लांट में पांच साल से कर रहे थे काम

**वाराणसी , एजेंसी।** मिर्जापुर जिले की पुलिस ने चार बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। कूटरचित तरीके से ग्राम दसौती पोस्ट सीधी कैमूर के पते पर आधार और पैन कार्ड बनवाकर आरोपी क्रशर प्लांट में पांच वर्षों से काम कर रहे थे। सीमा पर नदी पार करके पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में आकर पिछले पांच वर्षों से मिर्जापुर के क्रशर प्लांट में काम करने वाले चार बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में सब्बीर हुसैन और मो. सबूज हुसैन भाई हैं। जय दास और नरेशदास चाचा-भतीजा हैं। आरोपी कूटरचित दस्तावेज से ग्राम दसौती पोस्ट सीधी कैमूर बिहार के पते पर आधार और पैन कार्ड बनवा लिए थे।

चार बांग्लादेशी नागरिकों को कटरा कोतवाली पुलिस ने रेलवे स्टेशन मिर्जापुर के पास से गिरफ्तार किया। मामले का खुलासा एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने मंगलवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में किया। एसपी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि कटरा कोतवाली पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की जा रही थी।

चेकिंग के दौरान पुलिस को रेलवे स्टेशन मिर्जापुर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। संदेह होने पर पूछताछ की तो उसने अपना नाम मो. सबूज हुसैन पुत्र मो. समसुलहक निवासी दनाजपुर थाना पीरगंज जिला ठाकुरगांव रंगपुर, बांग्लादेश बताया। बताया कि कि उसका भाई सब्बीर हुसैन उसे बांग्लादेश से दो अन्य साथियों के साथ लाया है। इस समय डगमगपुर पड़री स्थित प्रदीप सिंह के पीके क्रशर प्लांट पर काम करता है। क्रशर प्लांट से सब्बीर हुसैन पुत्र मो. समसुलहक निवासी दनाजपुर थाना पीरगंज जिला ठाकुरगंज, रंगपुर बांग्लादेश, नरेशदास पुत्र सुनील दास ग्राम बाराबंदर योगेंदर बाबू मठ थाना कोतवाली दनाजपुर विभाग रंगपुर, बांग्लादेश व जयदास पुत्र नमोचंद्र दास ग्राम नरेशदादा के गांव बांग्लादेश को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने चार मोबाइल फोन जब्त किया।

**बांग्लादेश की वोटर आईडी और पासपोर्ट भी मिली:** जब्त मोबाइल से पुलिस को आधार कार्ड, पैन कार्ड, बांग्लादेश की वोटर आईडी व पासपोर्ट सहित अन्य दस्तावेज बरामद हुए। आरोपियों पर जालसाजी, गलत पहचान बनाना, फर्जी दस्तावेज तैयार करने, नागरिकता अधिनियम और अप्रवास और विदेशी विषयक अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

**बांग्लादेश में दलाल को पैसा देकर आए:** एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बांग्लादेश से दलाल को पैसे देकर सीमा पर नदी को पार कर पश्चिम बंगाल के रायगंज पहुंचे। वहां से कालियागंज रेलवे स्टेशन से ट्रेन से आगरा गए। काम की तलाश में आगरा से मिर्जापुर आए।

यहां पड़री के डगमगपुर में पीके क्रशर प्लांट में अपनी पहचान छिपाकर काम करने लगे। सब्बीर, मो. सबूज ने फर्जी तरीके से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर ग्राम दसौती पोस्ट सीधी कैमूर बिहार के पते पर आधार व पैन कार्ड बनवा लिया। तब से प्रदीप सिंह के क्रशर पर काम कर रहे थे।

**जांच हो तो कई और बांग्लदेशी पकड़े जाए:** पकड़े गए बांग्लादेशी से पूछताछ में पता चला कि कई लोग पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत आए। काम करने के बाद वापस चले गए। छानबीन की जाए जो कई और बांग्लादेशियों का पता चल सकता है। कई लोग नाम छिपाकर रह रहे हैं। क्रशर प्लांट पर कम मजदूरी में काम करने वाले मिल जाते हैं। ये लोग बिना जांच पड़ताल के लोगों को काम पर रख लेते हैं। जांच की जाए तो अन्य बांग्लादेशी मिल सकते हैं।

## हरियाणा में फसल बेचने वाले किसानों को चेतावनी, नहीं मिलेगा मंडी का गेट पास ,क्या है वजह

**पटौदी, एजेंसी।** मौसम खराब होने और मंडी में जगह की कमी के चलते नई अनाज मंडी जाटौली को बुधवार को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इधर विपरीत मौसम के चलते मंगलवार को मंडी में खरीद नहीं हो पाई। एक अप्रैल से मंगलवार तक मंडी में 3,09,872 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। इसमें से अब तक केवल 78,572 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है। 2,31,300 क्विंटल गेहूं अभी तक खरीदा नहीं गया। उठान केवल 2500 क्विंटल का ही हुआ है। अनाजमंडी में 3,07,372 क्विंटल गेहूं पड़ा हुआ है। अधिकांश गेहूं खुले आसमान के नीचे बड़े बड़े ढेरों के रूप में पड़ा हुआ है और अनाजमंडी गेहूं से अटी पड़ी है। गेहूं खरीदने की गति धीमी होने तथा उठान न होने से ऐसा हुआ है। इससे वर्षा होने पर गेहूं भीगने का भी अंदेशा बना हुआ है। आढ़तियों के पास उपलब्ध त्रिपाल भी उन्हें ढकने के लिए नाकाफी सिद्ध हो रहे हैं। मार्केट कमेटी पटौदी के चेयरमैन मनोज मोकलवास ने बताया कि इस स्थिति को देखते हुए व्यापार मंडल के अनुरोध पर बुधवार को अवकाश रखने तथा गेहूं के गेट पास न काटने का निर्णय किया गया है।

## फरीदाबाद में दोस्तों के साथ सिरोही झील में नहाने गया दिल्ली का युवक डूबा, अस्पताल में तोड़ा दम

**फरीदाबाद, एजेंसी।** सिरोही में बनी कृत्रिम झील में नहाने गए दिल्ली निवासी एक युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को झील से निकालकर बादशाह खान नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। स्वजन को सूचना दे दी गई है। जानकारी के अनुसार दिल्ली के बसंत गांव निवासी अभिषेक उम्र 21 साल मंगलवार शाम करीब साढ़े तीन बजे चार दोस्तों के साथ बाइकों पर सवार होकर झील पर नहाने आया था। सभी युवक झील में नहा रहे थे। इसी दौरान अभिषेक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।

**प्राइवेट नौकरी करता था मृतक :** दोस्तों ने उसे बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन तब तक वह पानी में लापता हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से झील में तलाश शुरू कराई। काफी प्रयास के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने अभिषेक को बादशाह खान नागरिक अस्पताल भिजवाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। बताया गया है कि मृतक प्राइवेट नौकरी करता था। पुलिस ने स्वजन को सूचना देकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

## शिमला में नौकरी का मौका, श्रीराम फाइनेंस में विभिन्न पदों के लिए 10 अप्रैल को होगा कैंपस इंटरव्यू

**शिमला, एजेंसी।** क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी शिमला प्रवीन नगराईक ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय शिमला द्वारा श्री राम फाइनेंस लिमिटेड में सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर (बीडीएम), बीडीएम और बिजनेस डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव (बीडीई) के पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू का आयोजन 10 अप्रैल को जिला रोजगार कार्यालय यू.एस. क्लब शिमला में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीनियर बीडीएम के 04 पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक कॉमर्स पास, आयु 28 से 36 वर्ष होनी चाहिए, बीडीएम के 03 पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक आर्ट्स, आयु 28 से 35 वर्ष और बीडीई के 02 पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक पास और आयु 28 से 36 वर्ष होनी चाहिए। जो भी इच्छुक उम्मीदवार इन पदों से संबंधित योग्यता रखता हो, अपने सभी अनिवार्य दस्तावेजों सहित 10 अप्रैल को जिला रोजगार कार्यालय यू.एस क्लब शिमला पहुंचना सुनिश्चित करे। उन्होंने बताया कि आवेदक का नाम रोजगार कार्यालय में ऑनलाइन पंजीकृत होना अनिवार्य है और जिनका नाम रोजगार कार्यालय में पंजीकृत नहीं है वह संबंधित साईट द्ड्डद्ब्रह्य.द्धश्च.द्द1.द्बठ्ठ पर जा कर घर बैठे ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 7807480719 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

## इंदिरापुरम में घरों में सप्लाई हो रहा दूषित जल, बारिश के बीच बदबूदार झाग वाले पानी से लोग परेशान

**साहिबाबाद, एजेंसी।** इंदिरापुरम में पानी की समस्या लोग लगातार परेशानी का सामना कर रहे हैं। मंगलवार को कहीं पाइपलाइन लीकेज से सड़क पर पानी भर गया तो कहीं घरों में दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत की गई। लोगों के घरों में झाग वाला बदबूदार पानी पहुंचने से काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। सीआईएसएफ रोड पर बने एसटीपी से कई दिनों से लगातार पानी लीकेज हो रहा है। इसकी वजह से पास की सड़क पर पानी भर गया है। कई दिनों से पानी रुका होने की वजह से सड़ रहा है। स्थानीय निवासी रवि ने बताया कि सड़क पर पानी भरा होने से आवाजाही भी मुश्किल हो रही है। सफाई व खाद्य निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि नाला निर्माण चल रहा है। इसकी वजह से पानी भरा हुआ है। इसके अलावा विधायक कालोनी में मंगलवार शाम दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत लोगों ने की। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुपम शुक्ला ने बताया कि गंगाजल की आपूर्ति शाम को हुई लेकिन पानी में काफी बदबू आ रही थी। इससे टैंक में पहले से भरा पानी भी खराब हो गया और लोगों के सामने परेशानी खड़ी हो गई। नगर निगम के अवर अभियंता मयंक मिश्रा ने बताया कि मौके पर टीम को भेजकर चेक कराया जाएगा।

# दिल्ली-एनसीआर में मौसम का यू-टर्नः मंगलवार रहा तीन साल में अप्रैल का सबसे ठंडा दिन, फिर बरसेंगे बादल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजधानी समेत एनसीआर के कई शहरों में मौसम ने एक बार फिर से करवट ले ली है। मंगलवार को पूरे दिन बादल छाए रहे और तेज हवा के साथ हल्की वर्षा हुई। इससे राष्ट्रीय राजधानी में तापमान में खासी गिरावट दर्ज की गई। आलम यह रहा कि मंगलवार (सात अप्रैल) का दिन तीन सालों के दौरान अप्रैल का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 6.3 डिग्री कम 28.8 डिग्री दर्ज हुआ। यह अप्रैल माह में 2023 के बाद सबसे कम है। इससे पहले एक अप्रैल 2023 को दिल्ली का अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 94 से 41 प्रतिशत रिकार्ड किया गया। जहां तक वर्षा का सवाल है तो सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच दिल्ली में 3.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। लोधी रोड में भी यह 3.0 मिमी ही रही जबकि पालम और रिज में 2.1 मिमी और आयानगर में 2.0 मिमी वर्षा हुई। मौसम विज्ञानियों के अनुसार मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के साथ-साथ हवा के पैटर्न में बदलाव के कारण हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, आज भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 114 एक्यूआइ के साथ ''मध्यम'' श्रेणी में बनी रही। हाल फिलहाल इसमें अधिक बदलाव होने की कोई संभावना नहीं है।

### एनसीआर के अन्य शहरों का हाल

मंगलवार दोपहर तेज आंधी और झमाझम बारिश से मौसम अचानक बदल गया। कई जगह पेड़ की डालियां गिरीं और लोग बचने के लिए इधर-उधर शरण लेते दिखे। स्कूल के बच्चे भीगते नजर आए। बारिश से गर्मी से राहत मिली, लेकिन ट्रैफिक प्रभावित रहा। तापमान 27/17 डिग्री दर्ज हुआ, बुधवार को भी बारिश के आसार हैं। लगातार बारिश और ओलावृष्टि से किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है। मंडी में गेहूं की खरीद नहीं हो रही, जबकि खेतों में कटी फसल भीग रही है। हेफेड द्वारा खरीद शुरू न होने से किसानों में नाराजगी है और फसल की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है।

खराब मौसम के चलते गेहूं की कटाई (लावणी) का काम ठप हो गया है। मंडियों में आवक तो हुई, लेकिन बारिश से काम प्रभावित रहा। किसान जल्द कटाई के लिए हार्वेस्टर का सहारा ले रहे हैं, फिर भी मौसम बाधा बना हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार नमी से गेहूं की गुणवत्ता घट रही है और दाना खराब होने का खतरा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन भी ऐसे ही हालात बने रहने की संभावना जताई है।

## मार्च में गुरुग्राम देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा, गाजियाबाद की हवा 11 महीनों रही खराब

**गाजियाबाद, एजेंसी।** ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 के मार्च माह में गुरुग्राम देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक गुरुग्राम में पीएम-2.5 का मासिक औसत स्तर 116 दर्ज किया गया है। गुरुग्राम के अलावा शीर्ष 10 शहरों में चार शहर हरियाणा के और उत्तर प्रदेश के दो शहर गाजियाबाद व नोएडा शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के 11 माह तक गाजियाबाद सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही स्विस कंपनी आइक्यू एयर ने भी प्रदूषण को लेकर अपनी रिपोर्ट जारी की थी। इसमें गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र को पूरे विश्व में सबसे प्रदूषित क्षेत्र घोषित किया गया था।

सीआरईए की रिपोर्ट के मुताबिक शीर्ष 10 शहरों में हरियाणा के चार शहर गुरुग्राम, बहादुरगढ़, फरीदाबाद और भिवाड़ी हैं। उत्तर प्रदेश के दो शहर गाजियाबाद व नोएडा हैं। वायु गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाले शहरों की संख्या भी हरियाणा में सबसे अधिक है। सीआरईए ने हरियाणा के 24 शहरों की निगरानी की। इनमें नौ शहर में पीएम-2.5 स्तर मानकों से अधिक पाया गया। उत्तर प्रदेश में 21 शहरों में से आठ शहरों में भी पीएम-2.5 मानकों से अधिक मिला। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के विश्लेषण से पता चला है कि देश में कुछ ही शहर पीएम-10 के स्तर कम करने का लक्ष्य हासिल कर पाए हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के नौ शहर ऐसे हैं जिन्होंने वर्ष 2017-18 की तुलना में पीएम-10 के स्तर में 40 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की है। इस अवधि में दिल्ली में पीएम-10 के स्तर में 17 की कमी देखी गई। गाजियाबाद में मार्च 2026 में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) के आंकड़ों के अनुसार अधिकांश दिनों में प्रदूषण का स्तर मध्यम से खराब श्रेणी में रहा। एक मार्च को एक्यूआइ 202 और तीन मार्च को 203 दर्ज किया गया। सात मार्च को प्रदूषण 292 तक पहुंच गया। सबसे खराब स्थिति में आठ मार्च को 309 और 10 मार्च को 329 एक्यूआइ दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है।

## नोएडा में लिव-इन रिलेशनशिप का बढ़ता खतरा

**नोएडा, एजेंसी।** पढ़ाई और नौकरी के बेहतर अवसरों के चलते बड़ी संख्या में युवा, खासकर युवतियां, नोएडा आ रही हैं। मगर नए शहर की आजादी और अकेलेपन के बीच बन रहे रिश्ते अब चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। वन स्टॉप सेंटर के अनुसार, शहर में हर महीने 20 से 30 लिव-इन रिलेशनशिप के मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें अधिकतर बाहर से आए युवाओं के हैं। काउंसलिंग टीम का कहना है कि घर से दूर रहने, भावनात्मक सहारे की तलाश और सोशल मीडिया के जरिए बनी नजदीकियां युवाओं को जल्दी फैसले लेने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन जब ये रिश्ते जिम्मेदारियों और हकीकत से टकराते हैं, तो हालात बिगड़ने लगते हैं और कई युवतियां मानसिक तनाव व असुरक्षा का सामना करती हैं। 21 वर्षीय युवती बड़े सपनों के साथ नोएडा कोचिंग के लिए आई थी। शुरुआत में सब सामान्य था, लेकिन पीजी में रहने के दौरान उसकी मुलाकात एक युवक से हुई। दोनों के बीच दोस्ती गहरी हुई और उसने उस पर भरोसा कर उसके साथ रहने का फैसला कर लिया। कुछ समय बाद जब खर्चों और जिम्मेदारियों को लेकर विवाद शुरू हुए, तो रिश्ता धीरे-धीरे टूटने लगा। युवक का व्यवहार बदल गया और युवती खुद को अकेला महसूस करने लगी।

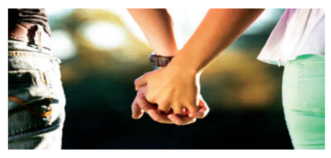

## नोएडा में एटीएम में फंसे 1.84 लाख रुपये लेकर दो कस्टोडियन भागे

**नोएडा, एजेंसी।** सेक्टर-63 थानाक्षेत्र के एक एटीएम में ग्राहक के फंसे एक लाख 84 हजार रुपये की नकदी को कैश मैनेजमेंट एजेंसी के दो कस्टोडियन लेकर भाग गए। पूरी घटना बैंक के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। एजेंसी की लीगल मैनेजर ने पुलिस को दोनों कस्टोडियन के खिलाफ नामजद मुकदमा कराया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर दोनों आरोपितों की तलाश तेज कर दी है। नोएडा सेक्टर 2ए में हिताची कैश मैनेजमेंट सर्विसेस कंपनी का कार्यालय है। कंपनी द्वारा विभिन्न बैंकों के एटीएम में समय-समय पर लाखों रुपए की नकदी ग्राहकों की आर्थिक सेवा के लिए डाला जाता है। 15 जनवरी 2026 को सेक्टर 63 के जी ब्लाक में प्राइवेट बैंक में एटीएम पर खाताधारक एक लाख 84 हजार 500 रुपये रिसाइक्लर मशीन से जमा पहुंचा था, जैसे ही उसने इंडेंट के लिए कैश मशीन डाला, तभी अचानक से तकनीकी दिक्कत के चलते नकदी मशीन में फंस गई। कंपनी की लीगल मैनेजर महक गुप्ता ने पुलिस को शिकायत में बताया कि जिस दिन ग्राहक के मशीन में पैसे फंसे थे। उसी दिन उनकी कंपनी के दो कस्टोडियन, जिनमें अजीत सिंह निवासी राजेपुर बिल्हौर जिला कानपुर और कन्नौज के सिकरावा निवासी नीरज त्रिपाठी एटीएम में बड़ा कैश जमा करने गए थे। इस बीच अजीत ने मशीन में ग्राहक के रुपये फंसे देखे थे तो उसने निकालकर अपने पास रख लिए। पदाधिकारियों को कोई सूचना भी नहीं दी लीगल मैनेजर के मुताबिक, नियमानुसार दोनों कस्टोडियन को मशीन में फंसी नकदी को कंपनी आकर वाल्ट में जमा कराने होते हैं, लेकिन आरोपित अजीत अपने रूट के बीच ही गाड़ी से उतरकर भाग गया। उसने इस संबंध में कंपनी पदाधिकारियों को कोई सूचना भी नहीं दी।

## दिल्ली एचसी ने सजा माफी की अर्जी बार-बार खारिज करने को बताया मनमाना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी को समय से पहले रिहा करने का निर्देश देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) द्वारा बार-बार सिर्फ अपराध की जघन्यता के आधार पर सजा माफी की अर्जी खारिज करना मनमाना होने के साथ ही सुधारात्मक न्याय के तय सिद्धांतों के खिलाफ है। अपीलकर्ता कैदी रजब अली ने 22 साल से ज्यादा की जेल की सजा काटी है। कैदी को राहत देते हुए न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने रजब अली की अर्जी मंजूर कर ली। रजब अली ने उसकी समय से पहले रिहाई की अर्जी खारिज करने के एसआरबी के फैसले को चुनौती दी थी। रजब अली को 2005 में दुष्कर्म के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

**दसवीं बार खारिज की थी अर्जी :** 2016 में एसआरबी ने मुख्य प्रोबेशन अधिकारी की सिफारिश के बावजूद अपराध की प्रकृति, गंभीरता और पीड़ित के परिवार को होने वाले संभावित खतरे के आधार पर रजब अली की अर्जी खारिज कर दी थी। 2016 से 2024 तक एसआरबी ने दसवीं बार उसकी अर्जी अपराध की जघन्यता और गंभीरता और विकृति को देखते हुए खारिज कर दी थी। रजब अली ने बताया कि उसे तीन बार पैरोल पर और कोरोना महामारी के एक बार आपात पैरोल पर रिहा किया गया था।

## हिमाचल में आसमानी आफत का कहर, ओलावृष्टि और बेमौसमी बारिश से हिमाचल के किसानों को करोड़ों का नुकसान

**शिमला, एजेंसी।** आंधी, ओलावृष्टि और बेमौसमी वर्षा से हिमाचल में 1,226.75 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुई हैं। इसके कारण लगभग 1.49 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कृषि विभाग द्वारा करवाए आकलन में यह सामने आया है। कृषि विभाग ने रिपोर्ट को सरकार को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा है। विभाग की रिपोर्ट के अनुसार चार जिलों मंडी, ऊना, शिमला और सिरमौर में सबसे अधिक प्रभाव गेहूं, जौ, दलहनों और सब्जियों पर पड़ा है।

गेहूं की फसल सर्वाधिक प्रभावित हुई है। प्रदेश में गेहूं की करीब 981 हेक्टेयर फसल खराब हुई है, जिससे लगभग 62.85 लाख रुपये का नुकसान हुआ। इसके अलावा दलहनों (चना, मसूर आदि) में भी 166 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। कृषि विभाग ने नुकसान की रिपोर्ट में प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए आवश्यक कदम उठाने की सिफारिश की है। आने वाले दिनों में यदि ऐसी स्थिति रहती है तो 50 प्रतिशत तक उत्पादन पर असर पड़ेगा। 74.75 हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जियां भी प्रभावित हुई हैं, इससे 26.92 लाख रुपये का नुकसान हुआ। इसका सीधा असर किसानों की आय और रबी की फसलों के उत्पादन पर होगा।

जिला स्तर पर मंडी सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां 66.99 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। इससे किसानों व बागवानों की चिंता बढ़ गई है।

डॉ. रविंद्र जसरोटिया ने कहा कि जिला स्तर पर हुआ नुकसान जिला प्रभावित क्षेत्र नुकसान मंडी 17566.99, ऊना 88146.00, शिमला 40.7518.64, सिरमौर13017.44 (प्रभावित क्षेत्र हेक्टेयर व नुकसान लाखों में) आंधी, ओलावृष्टि और बेमौसमी वर्षा के कारण प्रदेश में 1,226.75 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुई हैं। इस संबंध में सरकार को रिपोर्ट भेज दी है। इससे कृषि उत्पादन पर असर पड़ा है। वर्षा और ओलावृष्टि का दौर ऐसे ही जारी रहा तो नुकसान और बढ़ जाएगा। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में रुक-रुक कर होती रही वर्षा दर्रों में भी हुआ हल्का हिमपात द्य लाहुल-पांगी मुख्य मार्ग भूस्खलन से बंद, पांगी का लाहुल से संपर्क कटा लकड़ी का पुल ही सहारा तीन दशक से सियूंर में रावी नदी पर लकड़ी का पुल बना है जहां से छोटे वाहन व लोग आरपार होते हैं। लकड़ी के पुल की भार क्षमता अधिक न होने के कारण खाली वाहन ही यहां से गुजारे जाते हैं। सामान व सवारियों को पुल के एक तरफ उतारना पड़ता है।

## गुरुग्राम में सरकारी जमीन से हटाए गए अवैध कब्जे, इन इलाकों में गरजा बुलडोजर

**गुरुग्राम, एजेंसी।** 'साइबर सिटी' में सक्रिय झुग्गी माफिया नेटवर्क के खिलाफ मंगलवार को एक बार फिर कार्रवाई की गई। सेक्टर-53 और वजीराबाद इलाकों में ॥स्ङ्क (हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण) की सरकारी ज़मीन पर किए गए अवैध कब्जों को बुलडोजरों की मदद से ढहा दिया गया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान, टिन के शेड और झुग्गी-झोपड़ियों को हटा दिया गया, जिससे करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन वापस हासिल कर ली गई। पुलिस जांच में पता चला कि वजीराबाद के रहने वाले वीरेंद्र उर्फ लीलू और तरुण उर्फ मोनू उर्फ नंबरदार ने सरकारी ज़मीन पर अवैध कब्जा करके झुग्गियां बसा ली थीं और वहां रहने वाले लोगों से अवैध रूप से किराया वसूल रहे थे। आरोप है कि इन जगहों का इस्तेमाल संगठित आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी किया जा रहा था। दोनों आरोपियों का पहले से ही आपराधिक रिकॉर्ड रहा है ।